एक चिंगारी, 6 सिलेंडर और 8 मौतें : इंदौर में 'फायर स्टॉर्म'

नव भारत न्यूज

इंदौर. तिलक नगर थाना क्षेत्र के ग्रेटर बृजेश्वरी एनेक्स में तड़के हुए भीषण अग्निकांड में 8 लोगों की मौत हो गई. शुरुआती जांच और मौके से जुटाई गई जानकारी में सामने आया है कि ईवी कार की चार्जिंग के दौरान उठी चिंगारी ने कुछ ही मिनटों में पूरे मकान को आग के गोले में बदल दिया, जिसमें परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला. यहां उठी एक चिंगारी से जहां 8 मौतें हो गई वहीं घर में रखे 6 सिलेंडरों में से एक फट गया जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी.

शहर में सुबह हुए इस अग्निकांड की खबर सुनते ही मौके पर पहुंची नव भारत टीम की पड़ताल और फायर अधिकारियों से की बातचीत में यह तथ्य सामने आया कि घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार रातभर चार्जिंग पर थी. देर रात चार्जिंग पॉइंट पर शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग कार के इलेक्ट्रिकल सिस्टम से होती हुई बैटरी तक पहुंच गई. इस पर टीम ने जब तकनीकी जानकारों से बात की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. उनका कहना है कि एक बार ईवी बैटरी में आग लगने पर थर्मल रनअवे की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे आग तेजी से फैलती है और उसे नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो जाता है. कार घर से सटी खड़ी होने के कारण लपटें सीधे दीवारों और ऊपरी मंजिल तक पहुंच गईं. वहीं अधिकारियों द्वारा की गई संक्षिप्त जांच के दौरान यह भी पता चला कि घर के अलग-अलग हिस्सों में करीब 6 कमर्शियल गैस सिलेंडर पाए गए, जिनमें से एक में विस्फोट हुआ था. फायर ब्रिगेड के सुशील दुबे के अनुसार, जैसे ही आग सिलेंडरों तक पहुंची, गैस के दबाव के कारण तेज विस्फोट हुआ. जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया.

सेफ्टी सिस्टम फेल होते ही छोटी सी चिंगारी बन जाती है विकराल आग

बैटरी एक्सपर्ट राजेश्वर का कहना है कि ईवी चार्जिंग के दौरान ओवरलोडिंग, खराब वायरिंग या शॉर्ट सर्किट की स्थिति में स्पार्किंग की संभावना कही अधिक बढ़ जाती है. यदि चार्जिंग पॉइंट पर एमसीबी, आरसीसीबी और उचित अर्थिंग जैसे सुरक्षा तंत्र मौजूद न हों, तो मामूली चिंगारी भी विकराल आग का रूप ले लेती है. उन्होंने बताया कि उच्च करंट फ्लो के दौरान कंडक्टर का तापमान तेजी से बढ़ता है, जिससे इंसुलेशन फेलियर और आर्किंग की स्थिति बन जाती है. यही आर्किंग आगे चलकर फायर इग्निशन का कारण बनती है, जिससे आग तेजी से फैल जाती है.

सीएम के निर्देश पर हाई लेवल जांच के आदेश, विशेषज्ञ करेंगे फोरेंसिक पड़ताल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस भीषण अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त किया है. घटना की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और विशेष डीजी आदर्श कटियार सहित विशेषज्ञों की टीम को मौके पर भेजा. दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रारंभिक तथ्य जुटाए. निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हादसे के हर पहलू की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके. इसके लिए एक मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) भी तैयार की जाएगी. साथ ही, आईआईटी और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से फोरेंसिक जांच कर आग लगने के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण कराया जाएगा. अधिकारियों ने यह भी संकेत दिए कि इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग से जुड़े जोखिमों को लेकर विशेषज्ञों की अलग बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सुरक्षा मानकों और आवश्यक सुधारों पर चर्चा की जाएगी. वहीं मौके पर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी भी पूरे समय मौजूद रहे.

घर की संरचना बनी चुनौती

जबकि रेस्क्यू टीमों का कहना है कि बचाव कार्य के दौरान सबसे बड़ी चुनौती घर की संरचना रही. बिजली सप्लाई बंद होते ही इलेक्ट्रॉनिक लॉक सिस्टम काम नहीं कर पाया, वहीं खिड़कियों पर लगी लोहे की जालियां और मजबूत कांच बाहर निकलने में बाधा बने. रेस्क्यू टीमों को पड़ोसी मकान की छत के रास्ते अंदर पहुंचना पड़ा, इसके बाद ही एक-एक कर घायलों को बाहर निकाला गया.

अलग-अलग कमरों में सो रहे थे

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि हादसे के समय परिवार के सदस्य अलग-अलग कमरों में सो रहे थे. निचले और ऊपरी हिस्सों में मौजूद कई लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई, जबकि छत पर पहुंचे लोग आग की चपेट में आ गए. इससे पहली मंजिल और छत पर शव मिलने से हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है. इस हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी बहू सिमरन सहित रिश्तेदार विजय, उनकी पत्नी सुमन और परिवार के अन्य सदस्य राशि, छोटू, तनय व टीनू की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि कुछ लोग बाहर से इलाज और पारिवारिक कारणों से यहां ठहरे हुए थे. कमर्शियल सिलेंडरों की होगी जांचघटनास्थल पर बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडर मिलने के बाद जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि इनका उपयोग और भंडारण किन परिस्थितियों में किया जा रहा था. कर्मचारियों के अनुसार, घर में कई काम इन्हीं सिलेंडरों से संचालित होते थे. धमाकों और तेज आग के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन दोपहर तक चलता रहा. आग की चपेट में आकर घर के बाहर खड़ी महंगी बाइक समेत अन्य वाहन भी जल कर राख हो गई, हालांकि आसपास खड़ी कुछ कारें सुरक्षित बचीं. फिलहाल पुलिस और प्रशासन हर पहलू की जांच कर रहे हैं.

सिलेंडर और मकान की बंद संरचना से आग हुई विकराल

फायर ब्रिगेड अधिकारी सुशील दुबे का कहना है कि प्रारंभिक स्थिति में आग सीमित दायरे में थी, लेकिन घर के भीतर बड़ी संख्या में मौजूद गैस सिलेंडरों और बंद संरचना के कारण यह तेजी से फैल गई. उन्होंने यह भी बताया कि जैसे ही आग सिलेंडरों तक पहुंची तो दबाव बढ़ने से विस्फोट हुए और तापमान अचानक कई गुना बढ़ गया, जिससे हालात बेकाबू हो गए. साथ ही, लगातार हो रहे धमाकों और घने धुएं ने रेस्क्यू ऑपरेशन को भी प्रभावित किया, जिससे समय पर बचाव करना चुनौतीपूर्ण हो गया था.

एक नजर में

जाम गेट के पास चलती कार में आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

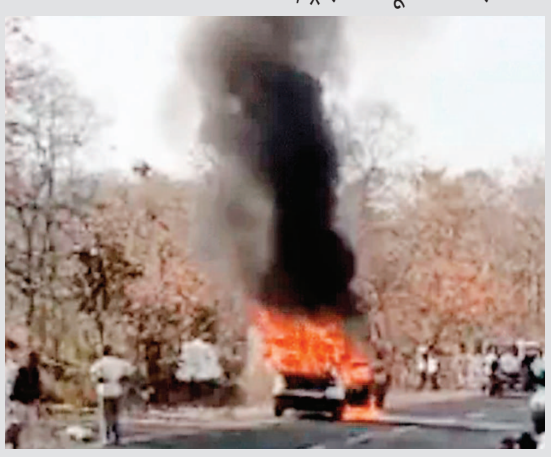

महू. प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जाम गेट के पास बुधवार शाम को एक चलती कार में अचानक आग लग गई. माधवपुरा गांव के पास हुई इस घटना में कार धू-धू कर जल उठी. गनीमत रही कि कार चालक ने धुआं उठते ही सूझबूझ दिखाई और समय रहते वाहन से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम करीब 5 बजे महू की ओर आ रही कार से अचानक धुआं निकलने लगा. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह कबाड़ में तब्दील हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया. पुलिस की प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. तकनीकी खराबी के चलते इंजन के पास से आग शुरू होने की आशंका है.

माहेश्वरी महिला मंडल ने धूमधाम से निकाला गणगौर का बाना

महू. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव कार्यक्रम स्थानीय गोपाल मंदिर भवन में मनाया गया. मंडल अध्यक्ष रजनी सोडाणी द्वारा अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत नृत्य और गणगौर पूजन से हुई, जिसे अनीता बाहेती, शुभांगी माहेश्वरी, शर्मिला सोनी द्वारा प्रस्तुत किया गया. मनोरंजक गेम सरिता बियानी और विजया ढोली द्वारा खिलाया गया. महिलाओं का स्वागत सुषमा जाजू, रमिला मालानी, सरोज सोडाणी द्वारा किया गया. दूल्हा- दुल्हन मुनमुन बाहेती और रश्मि तिलोटिया बनी थीं. गणगौर का बाना बड़ी धूमधाम से निकाला गया. जगह-जगह स्वागत किया गया. इस रंगारंग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया. विशेष सहयोग पद्मा सोडाणी, कांता सोडाणी, ममता लड्ढा, संगीता सोडाणी, किरण नवाल का रहा. मंडल सचिव मोनिका बियाणी ने सभी उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया. यह जानकारी प्रचार मंत्री स्वाति शारदा ने दी. कायक्रम में किरण माहेश्वरी एवं शकुंतला ढोली विशेष रूप से उपस्थित थीं.

ट्रेनों में तीन यात्रियों के 4.40 लाख के जेवर-मोबाइल चोरी

इंदौर रेलवे स्टेशन पर युवक की मौत

इंदौर. जीआरपी इंदौर क्षेत्र में ट्रेनों में चोरी की एक ही दिन में तीन घटनाएं सामने आई हैं. इनमें यात्रियों के बैग से लाखों के जेवर, मोबाइल और नकदी चोरी हो गई. अलग-अलग स्थानों पर हुई इन घटनाओं में शून्य पर अपराध दर्ज कर संबंधित थानों को भेज दिया गया है.

पुलिस के अनुसार विष्णुपुरी निवासी मीना बिनवानी अपने पति के साथ शांति एक्सप्रेस से अहमदाबाद से इंदौर आ रही थीं. यात्रा के दौरान उन्होंने पर्स सिरहाने रखकर सो गईं. इंदौर पहुंचने पर पर्स गायब मिला. बाद में कोच कर्मचारी ने पर्स तो लौटा दिया, लेकिन उसमें रखे करीब 4.40 लाख रुपए के सोने के जेवर, मोबाइल और नकदी गायब थे. इस मामले में जीआरपी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है. इसके अलावा तीन अन्य मामलों में भी यात्रियों के पर्स चोरी हुए. नागदा स्टेशन पर एक महिला का नकदी से भरा पर्स चोरी हो गया, जबकि रीवा एक्सप्रेस और अंबेडकर नगर वीकली एक्सप्रेस में भी मोबाइल व नकदी से भरे बैग पार कर दिए. इन मामलों में घटनास्थल अन्य जिलों में होने से शून्य पर अपराध दर्ज कर संबंधित जीआरपी थानों को डायरी भेजी गई है.

प्लेटफार्म 1 पर मिले शव की शिनाख्त

इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 के पास 17 मार्च को एक युवक मृत मिला था. जांच में उसकी पहचान राहुल गौतम उम्र 18 साल निवासी जौनपुर के रूप में हुई. प्रारंभिक जांच में युवक की मौत का कारण मिर्गी की बीमारी बताया जा रहा है. जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजकर जांच शुरू कर दी है.

बायपास पर खड़े ट्रक से हुई टक्कर, दो की मौत

इंदौर. कनाड़िया थाना क्षेत्र में बायपास रोड स्थित बिचौली हप्सी ब्रिज पर लापरवाही से खड़े ट्रेलर के कारण हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने मामले में चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि ट्रेलर नम्बर एमपी 09 एचएच 0141 का चालक वाहन को बिना पार्किंग लाइट और किसी चेतावनी संकेत के ब्रिज पर खड़ा कर चला गया था. इसी दौरान पीछे से आ रहा वाहन ट्रेलर से टकरा गया, जिससे राजेश गोयल उम्र 53 साल निवासी राजपुर (बड़वानी) और राजेन्द्र भगोरे की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा करने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पालदा फैक्ट्री में भीषण आग, मशक्कत के बाद पाया काबू

शहर में तीन जगह आग की घटनाएं

इंदौर. शहर में बुधवार को बृजेश्वरी एनेक्स में हुए अग्निकांड के अलावा अलग-अलग इलाकों में आग की घटनाओं ने दहशत का माहौल बना दिया था. पालदा क्षेत्र स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में लगी आग के साथ ही भंवरकुआ और मल्हारगंज इलाके में भी आग लगने के मामले सामने आए, हालांकि समय रहते सभी जगह हालात पर काबू पा लिया गया था.

फायर ब्रिगेड से मिली सूचना के अनुसार पालदा इलाके में दोपहर करीब 11 बजे पेस्ट कंट्रोल उत्पाद बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी. फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल और ज्वलनशील कच्चा माल रखा होने के कारण लपटें तेजी से फैल गईं और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया था. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया. घटना के दौरान कुछ मजदूर अंदर फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला था. वहीं रेस्क्यू के दौरान कुछ मजदूर हल्के रूप से झुलस गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. सभी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है. इधर, भंवरकुआ स्थित आईटी पार्क में खड़ी एक एक्टिवा में अचानक आग लग गई. मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को कारण माना जा रहा है. वहीं मल्हारगंज थाना क्षेत्र के पास एक लंबे समय से खाली पड़े पुराने मकान में भी आग लगने की घटना सामने आई. स्थानीय रहवासियों और फायर कर्मियों की तत्परता से आग पर जल्द ही काबू पा लिया. इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई.

एक नजर में

वैभव नगर में सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क का समुचित निर्माण नहीं होने से रहवासी हो रहे परेशान

निर्माणाधीन विकास कार्यों में अत्यधिक देरी बन रही लोगों की समस्या

इंदौर. शहर में चल रहे विकास कार्यों में अत्यधिक देरी शहरवासियों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. अधूरे कार्यों से रहवासियों को कीचड़ और धूल भरी सड़कों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं, सड़कों के संकरा होने से भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है. अनियोजित विकास के कारण 10 मिनट की दूरी तय करने में 30 से 45 मिनट तक लग जाते हैं. धूल और खराब सड़कों के कारण श्वसन और त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं. वहीं, निर्माण कार्यों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा है.

ऐसा ही मामला पूर्वी रिंग रोड से लगे हुए वार्ड 50 के बंगाली क्षेत्र के वैभव नगर में सामने आया है. कुछ समय पहले यहां सीवरेज लाइन डालने के लिए बनी-बनाई सड़क को खोदा गया था. कार्य के दौरान सड़क पूरी तरह उखाड़ दी गई. यहां सीवरेज लाइन तो डाल दी गई, लेकिन इसके बाद नगर निगम द्वारा सड़क का समुचित पुनर्निर्माण नहीं किया गया. केवल मुरम और गिट्टी डालकर सड़क को अधूरी अवस्था में ही छोड़ दिया गया, जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

खराब सड़क के कारण दिन भर धूल उड़ती रहती है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों और दुकानदारों को दिक्कत होती है, पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है. वहीं, गिट्टी बिखरी होने के कारण वाहन फिसलने से दुर्घटनाएं भी हो रही हैं. कई बार उड़ती गिट्टी आसपास की दुकानों तक पहुंचकर दुकानदारों या सामान को भी नुकसान पहुंचता है. स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. उन्होंने नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द पक्की सडक़ का निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके.

यह बोले रहवासी...

इस अधूरे कार्य से क्षेत्र के सभी लोग परेशान हैं. हर दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं. रोजाना औसतन दो-तीन वाहन चालक गिरते-पड़ते हैं. आज सुबह ही मेरी गाड़ी फिसल गई, इसमें मुझे भी चोट आई है.

- युवराज चौहान

यहां पहले से ही दोनों तरफ दो-दो फीट की लाइन डली हुई है, फिर भी एक फीट की लाइन बीच में पता नहीं क्यों डाल दी गई, अब दो महीने से ऐसे ही पड़ा है.

-प्रकाश अराठे

उचटकर लोगों को चोटिल कर देती है. एक बार मुझे भी लग चुकी है. गिट्टी के कारण कई बार दुकान के समान को भी नुकसान होता है. काम शुरू करते समय कहा था दस दिन में कार्य पूरा हो जाएगा लेकिन आज तक नहीं हुआ.

- वैभव सोनी

सड़क पर पड़ी गिट्टी वाहनों के पहिए से